लीजियोनेयर रोग

- न्यूयॉर्क शहर के सेंट्रल हार्लेम के निवासियों को हाल ही में लीजियोनेयर रोग के मामलों की पहचान के बाद सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।
- **लीजियोनेयर रोग:** यह फेफड़ों के संक्रमण का एक गंभीर रूप है जिसे निमोनिया कहा जाता है।
- **कारण:** यह रोग लीजियोनेला नामक जीवाणु के कारण होता है।

लीजियोनेयर्स रोग का संचरण:

- लीजियोनेला **प्राकृतिक रूप से मीठे पानी (झीलों, नदियों) और मिट्टी** में पाया जाता है।
- यह बैक्टीरिया आमतौर पर **पानी या मिट्टी से सांस के माध्यम से शरीर में** प्रवेश करता है।
- पानी पीने से यह रोग नहीं फैलता, जब तक कि आप गलती से पानी को अपने फेफड़ों में न ले लें (एस्पिरेट न करें)।
- यह संक्रामक नहीं है, यानी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं फैलता।

जोखिम:

- वृद्ध लोग, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोग और धूम्रपान करने वाले लोग लीजियोनेयर रोग से अधिक प्रभावित हो सकते हैं।

लक्षण:

- बुखार, ठंड लगना, सिरदर्द, अस्वस्थता और मांसपेशियों में दर्द (मायाल्जिया)।
- अनुपचारित लीजियोनेयर रोग से मृत्यु हो सकती है।

उपचार:

- एंटीबायोटिक दवाओं से जल्दी उपचार करने पर यह रोग ठीक हो जाता है, लेकिन कुछ लोगों को उपचार के बाद भी समस्याएं रह सकती हैं।